तापमान

अधिकतम 31.5 डिग्री

न्यूनतम 16.8 डिग्री

हरिभूमि
बेमेतरा भूमि

रायपुर, रविवार 14 जून 2026

बेमेतरा | देवकर | नवागढ़ | साजा | परपोड़ी | थानखम्हरिया | नांदघाट

14 स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और मातृ-शिशु ...

10 एक काटने पर 10 पेड़ लगाने का नियम, लेकिन ...

खबर संक्षेप

महिला से मारपीट करने वाले को 420 दिन की कैद

दुर्ग। नेवई थाना अंतर्गत निवासरत महिला से मारपीट करने वाले को कोर्ट ने 1 वर्ष, 1 माह, 25 दिन यानी करीब 420 दिन कैद की सजा सुनाई। जिला एवं सत्र न्यायाधीश के विनोद कुजूर के न्यायालय से यह फैसला आया। प्रकरण के मुताबिक घटना 17 अप्रैल 2025 को सुबह करीब साढ़े 6 बजे की है। महिला काम पर जाने के लिए घर से निकली थी, तभी पुरानी घटना को लेकर आरोपी स्टेशन मरोदा निवासी ओम प्रकाश उर्फ सोनू पिता संतराम निर्मलकर (27 वर्ष) ने मारपीट की। महिला ने कुछ दिन पहले आरोपी के खिलाफ नेवई थाने में छेड़खानी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसी बात से नाराज होकर आरोपी ने महिला से मारपीट की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से आरोपी पर दोष सिद्ध पाया गया। आरोपी को धारा 109 (1) में करीब 420 दिन की सजा सुनाई गई। मामले में शासन की तरफ से पैरवी लोक अभियोजक एमके दिल्लीवार ने की।

अवैध शराब का कमीशन लेने वाले पकड़े गए

भिलाई। अवैध रूप से शराब बेचकर कमीशन लेने वालो को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। जामुल पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने दो युवक स्कूटी में अवैध रूप से शराब रखकर जामुल नंदिनी रोड स्थित बीके कंपनी के पास बेच रहे थे। जामुल पुलिस ने दबिश देकर घेराबंदी तीन युवको को पकड़ा गया। पूछताछ में अपना नाम राजीव नगर, खुर्सीपार निवासी अजय कुमार अनिल विश्वकर्मा, शांति नगर कुम्हारी डागेश साहू बताया है। आरोपियों के पास से पुलिस ने 242 पौवा देशी शोले मसाला शराब कुल 43.560 बल्क लीटर, वाहन सीजी 07 एवी 1464 को जब्त किया है। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि शराब देशी शराब दुकान जामुल के सुपरवाईजर डागेश साहू से कमीशन के आधार पर रकम मिलना स्वीकार किया।

पुलिस की चेकिंग, संदिग्धों से हिरासत में लेकर पूछताछ

भिलाई। पुलिस चेकिंग के दौरान 22 संदिग्धों को पकड़कर उनकी फिंगरप्रिंट लेकर पहचान, आपराधिक रिकॉर्ड खंगाला गया। वारंट तामिली, फरार आरोपियों की तलाश, संदिग्ध गतिविधियों की जांच की गई। टीम में 67 दुर्ग पुलिस कर्मी और अधिकारी मौजूद थे। बिना नंबर की चार वाहनों को जब्त कर सत्यापन किया गया। सीएसपी सत्यप्रकाश तिवारी, डीएसपी आईयूसीएडब्ल्यू भारती मरकाम के नेतृत्व में विशेष सघन चेकिंग चलाया गया। कैम्प-1 स्थित प्रेम नगर, स्टील नगर, संग्राम चौक से 22 संदिग्धों को पकड़ा गया। अभियान सुबह 4 बजे से 8 बजे तक चलाया गया। विशेष अभियान के लिए थाना वैशाली नगर, दुर्ग, ट्रैफिक पुलिस, एसीसीयू, पुलिस लाइन दुर्ग की टीम मौजूद थी।

खरीफ सीजन : किसानों को समय पर बीज-उर्वरक उपलब्ध कराने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

आगामी खरीफ सीजन को सफल बनाने के उद्देश्य से कृषि विभाग ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में संयुक्त संचालक कृषि गोपिका गबेल ने शनिवार को जिला कृषि कार्यालय बेमेतरा में कृषि विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर खरीफ सीजन की तैयारियों एवं कार्ययोजना का विस्तृत जायजा लिया। बैठक में उप संचालक कृषि श्री मोरध्वज डडसेना सहित जिले के सभी कृषि अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में संयुक्त संचालक श्रीमती गबेल ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त बीज, उर्वरक तथा अन्य कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि खेती-किसानी के दौरान उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन कृषि गतिविधियों का महत्वपूर्ण समय होता है, इसलिए विभागीय स्तर पर सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं। उन्होंने खरीफ फसलों के रकबा विस्तार, उन्नत कृषि तकनीकों के प्रचार-प्रसार तथा विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया। अधिकारियों को लक्ष्य आधारित कार्य करते हुए अधिक से अधिक किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए। साथ ही आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए किसानों को लगातार जागरूक करने और प्रशिक्षण गतिविधियों को बढ़ाने की आवश्यकता बताई गई।

तैयारियों में जुटा कृषि विभाग संयुक्त संचालक ने ली समीक्षा बैठक

रणनीतियों पर चर्चा

समीक्षा के दौरान संयुक्त संचालक ने अधिकारियों से कहा कि वे किसानों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखें तथा मौसम आधारित कृषि सलाह समय-समय पर उपलब्ध कराएं। उन्होंने कृषि संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए सक्रियता से कार्य करने और प्रत्येक पात्र किसान तक शासन की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पहुंचाने पर बल दिया।बैठक में जिले में उपलब्ध बीज एवं उर्वरक भंडारण, कृषि संसाधनों की स्थिति, वितरण व्यवस्था तथा किसानों के हित में संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की भी विस्तार से समीक्षा की गई। अधिकारियों ने खरीफ सीजन की तैयारियों, उपलब्ध संसाधनों तथा विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की। कृषि विभाग के अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि किसानों को आवश्यक कृषि सामग्री समय पर उपलब्ध कराने तथा खरीफ सीजन को सफल बनाने के लिए विभाग पूरी तत्परता के साथ कार्य कर रहा है। बैठक में जिले में कृषि उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि के लिए विभिन्न रणनीतियों पर भी चर्चा की गई।

कार्रवाई : गुणवत्ता जांच के लिए भेजे गए नमूने

अवैध उर्वरक भंडारण पर प्रशासन की कार्रवाई गाड़ाडीह में 585 बोरी खाद जब्त, गोदाम सील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

खरीफ सीजन के दौरान किसानों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने अवैध उर्वरक भंडारण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। तहसील देवकर अंतर्गत ग्राम गाड़ाडीह में छापामार कार्रवाई करते हुए प्रशासन ने 585 बोरी उर्वरक जब्त कर गोदाम को सील कर दिया है।

जब्त उर्वरकों के नमूने गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। गठित जिला स्तरीय उड़नदस्ता दल द्वारा जिलेभर में उर्वरकों की उपलब्धता, गुणवत्ता और मूल्य नियंत्रण को लेकर लगातार निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में ग्राम गाड़ाडीह में अवैध खाद भंडारण की सूचना मिलने पर उड़नदस्ता दल ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के प्रावधानों के विपरीत लगभग 585 बोरी (29.25 मीट्रिक टन) बायो पोटाश एवं बायो ऑर्गेनिक फास्फेट का अवैध भंडारण पाया गया। अधिकारियों ने तत्काल कार्रवाई करते हुए संपूर्ण उर्वरक सामग्री जब्त कर संबंधित गोदाम को सील कर दिया। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि कोई निजी कृषि केंद्र, उर्वरक विक्रेता या सहकारी संस्था निर्धारित दर से अधिक मूल्य पर खाद बेचते, जमाखोरी करते अथवा अमानक उर्वरकों का व्यापार करते पाए जाते हैं तो उनके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। गंभीर अनियमितता पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर न्यायालयीन कार्रवाई भी की जाएगी।

गुणवत्ता की होगी वैज्ञानिक जांच : प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि जब्त किए गए उर्वरकों के नमूने संग्रहित कर परीक्षण हेतु प्रयोगशाला भेजे जा रहे हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद उर्वरकों की गुणवत्ता एवं मानकों के अनुरूपता के आधार पर संबंधित पक्षों के विरुद्ध नियमानुसार आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खरीफ सीजन में किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जिलेभर में निगरानी अभियान लगातार जारी रहेगा।

अनियमितताओं की सूचना देने की अपील

जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग ने किसानों और आम नागरिकों से अपील की है कि उर्वरकों की कालाबाजारी, जमाखोरी, अवैध भंडारण या अन्य किसी अनियमितता की जानकारी तत्काल कृषि विभाग अथवा जिला प्रशासन को दें। शिकायतकर्ताओं की पहचान गोपनीय रखी जाएगी तथा सूचना मिलने पर बिना पूर्व सूचना के त्वरित जांच एवं छापामार कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन का कहना है कि किसानों को समय पर पर्याप्त मात्रा में गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इस दिशा में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनियमितता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गौवंश तस्करी पर कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

- पिकअप वाहन व मोबाइल समेत 9 .50 लाख रुपये की संपत्ति जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

जिले में गौवंश तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सिटी कोतवाली बेमेतरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार भैंसों से भरी एक पिकअप वाहन को पकड़कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामले में करीब 9 लाख 50 हजार रुपये मूल्य की संपत्ति जब्त की है। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार गौवंश सेवक मनीष शुक्ला (46 वर्ष), निवासी खैरा ने थाना सिटी कोतवाली बेमेतरा में शिकायत दर्ज कराई कि 12 जून की रात उन्हें मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम चौरेंगा से कुछ वाहनों में भैंसों को भरकर कत्लखाने ले जाया जाएगा। सूचना के आधार पर गौसेवकों ने सिमगा से बेरला मार्ग तक नाकेबंदी की।

नाकेबंदी के दौरान पकड़ी गई पिकअप

ग्राम कठिया स्थित बेरला मोड़ के पास सुबह लगभग 4 बजे एक संदिग्ध पिकअप वाहन क्रमांक सी जी 04 क्यू वी 9645 को रोका गया। वाहन की जांच करने पर उसमें चार बड़ी भैंसों को बिना चारा-पानी के ठूंस-ठूंसकर भरा हुआ पाया गया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम लक्ष्मण साहू (25 वर्ष), निवासी ग्राम भड़हा, थाना खरोरा, जिला रायपुर बताया। जब चालक से ▶▶|शेष पेज 11 पर

ग्राम पंचायत बेलटुकरी में जल संरक्षण को मिल रहा बढ़ावा

ग्रामीणों द्वारा निजी संसाधनों से की जा रही मिट्टी निकासी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

ग्राम पंचायत बेलटुकरी में जल संरक्षण एवं ग्रामीण आवश्यकताओं की पूर्ति के उद्देश्य से तालाब से मिट्टी निकासी का कार्य ग्रामीणों एवं किसानों द्वारा अपने निजी संसाधनों के माध्यम से किया जा रहा है। इस कार्य में उपयोग की जा रही जेसीबी मशीनें पूरी तरह निजी स्तर पर संचालित हैं तथा इनका मनरेगा योजना से कोई संबंध नहीं है।

जनपद पंचायत नवागढ़ से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत बेलटुकरी के सतसागर तालाब का गहरीकरण कार्य वित्तीय वर्ष 2025-26 में मनरेगा योजना के तहत स्वीकृत होकर पूर्ण किया जा चुका है। संबंधित कार्य को नियमानुसार पूर्ण दर्ज किया गया है तथा वर्तमान में इस मद से किसी प्रकार का व्यय अथवा भुगतान नहीं किया जा रहा है। मनरेगा योजना के अंतर्गत केवल श्रम आधारित कार्य ही स्वीकृत एवं संचालित किए जाते हैं। वर्तमान में तालाब से मिट्टी निकासी की गतिविधि ग्रामीणों एवं किसानों द्वारा अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप निजी व्यय से कराई जा रही है। इससे एक ओर जहां ग्रामीणों को मिट्टी उपलब्ध हो रही है, वहीं दूसरी ओर तालाब की जलधारण क्षमता बढ़ने से क्षेत्र में जल संरक्षण को भी प्रोत्साहन मिल रहा है।ग्रामीणों द्वारा इस संबंध में पंचनामा प्रस्तुत कर यह भी अवगत कराया गया है कि मिट्टी निकासी का कार्य उनके स्वयं के संसाधनों एवं व्यय से किया जा रहा है।

साथ ही ग्राम पंचायत बेलटुकरी में मनरेगा के अंतर्गत मजदूरों के लिए पर्याप्त कार्य उपलब्ध हैं तथा मांग किए जाने पर नियमानुसार रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। जनपद पंचायत नवागढ़ ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी विषय से संबंधित जानकारी के लिए अधिकृत स्त्रोतों से तथ्य प्राप्त करें तथा शासकीय योजनाओं से जुड़ी जानकारी की पुष्टि संबंधित कार्यालय से करें।

जमीन के टुकड़े ने तोड़ा खून का रिश्ता, बड़े भाई की हत्या

पारिवारिक विवाद ने लिया खूनी रूप, आरोपी हिरासत में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिले के ग्राम ढारा में शनिवार को जमीन विवाद ने ऐसा भयावह और दर्दनाक मोड़ ले लिया, जिसने रिश्तों की मर्यादा को ही तार-तार कर दिया। जमीन के बंटवारे को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद के बीच एक छोटे भाई ने अपने ही सगे बड़े भाई की गैती से हमला कर निर्मम हत्या कर दी।

- मां घर लौटी तो सामने था बेटे का खून से लथपथ शव, गांव में पसरा मातम और सन्नाटा

दिनदहाड़े हुई इस सनसनीखेज वारदात से पूरे गांव में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आरोपी भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बेमेतरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम ढारा निवासी 26 वर्षीय प्रदीप साहू और उसके छोटे भाई 19 वर्षीय जलेश्वर साहू के बीच पिछले काफी समय से पैतृक जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। परिजनों और ग्रामीणों के अनुसार दोनों भाइयों के बीच कई बार इस मुद्दे को लेकर कहासुनी और तनाव की स्थिति बन चुकी थी। शनिवार दोपहर भी जमीन संबंधी विवाद को लेकर दोनों भाइयों के बीच बहस शुरू हुई। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि जलेश्वर ने अपना आपा खो दिया। गुस्से में उसने पास में रखी गैती उठाई और बड़े भाई प्रदीप पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। अचानक हुए इस हमले से प्रदीप गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़ा। सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

कुछ ही मिनटों में उजड़ गया परिवार

बताया जाता है कि मृतक प्रदीप साहू अपने पिता भरत साहू के तीन पुत्रों में मंझला था। परिवार में सबसे बड़ा पुत्र तोप सिंह साहू, उसके बाद प्रदीप और सबसे छोटा जलेश्वर है। बड़ा ▶▶|शेष पेज 11 पर

पुलिस ने जब्त किया हत्या में प्रयुक्त हथियार

वारदात की सूचना मिलते ही बेमेतरा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी सोनल ग्वाला, एएसआई जितेंद्र कश्यप एवं रेशम लाल भास्कर सहित पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। हत्या में प्रयुक्त गैती को भी जब्त कर लिया गया है।0पुलिस ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में जमीन विवाद हत्या का मुख्य कारण माना जा रहा है,हालांकि पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है ।पुलिस ने आरोपी जलेश्वर साहू को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि हत्या के पीछे की परिस्थितियों, विवाद की वास्तविक वजह और घटनाक्रम की पूरी जानकारी जुटाई जा रही है। जांच के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

क्षेत्र के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाना प्राथमिकता

तिलई में विकास कार्यों की सौगात, विधायक दीपेश साहू ने किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत तिलई में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बे विधायक दीपेश साहू सम्मिलित हुए। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि योगेश तिवारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान विधायक साहू ने ग्राम तिलई में मुरली यादव के घर से देवादास के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य (लागत राशि 5.20 लाख रुपये) का भूमिपूजन किया। साथ ही बिहारी देवानंद के घर से जगत साहू के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य (लागत राशि 7 लाख रुपये) एवं राजीव गांधी सेवा केंद्र निर्माण (लागत राशि 10 लाख रुपये) का लोकार्पण कर ग्रामीणों को विकास कार्यों की सौगात दी। इस अवसर पर विधायक साहू ने कहा कि गांवों का सर्वांगीण विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सड़क, बिजली, पानी, भवन सहित मूलभूत सुविधाओं को मजबूत कर ग्रामीण क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए लगातार कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों की समस्याओं को प्राथमिकता से लेकर उनका समाधान किया जा रहा है। बिजली व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों द्वारा रखी गई समस्या पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव सांय जी द्वारा ग्राम साकरा मे विद्युत सब स्टेशन की सौगात मिली है। इससे आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था बेहतर होगी और लोगों को लो-वोल्टेज एवं बिजली संबंधी समस्याओं से राहत मिलेगी। विधायक श्री साहू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आवागमन को सुगम बनाने के लिए सीसी रोड जैसे विकास कार्य महत्वपूर्ण हैं। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन मिलकर कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान विधायक श्री दीपेश साहू ने ग्राम पंचायत तिलई में विकास कार्यों को और गति देने के लिए पंचायत भवन की बाउंड्रीवाल निर्माण एवं 10 लाख रुपये की लागत से सीसी रोड निर्माण कार्य कराने की घोषणा की। ये रहे उपस्थित कार्यक्रम में ग्राम पंचायत तिलई के सरपंच हरिश्चंद्र देवांगन, उपसरपंच कीर्ति बाई साहू, सचिव राजू साहू सहित पंचगण एवं जनप्रतिनिधियों ने विधायक का स्वागत किया। इस अवसर पर जनपद सदस्य रेखा पोषण सिन्हा, सेवा सहकारी समिति मौलीभाटा अध्यक्ष पितांबर साहू, सूर्यकांत नायक, यशवंत वर्मा, उत्तम देवांगन, होलूराम साहू, मीनू पाटिल (सरपंच गोड़गिरी), रविकांत पाटले (सरपंच चंडी), अलख राम पाटिल, येनप्रकाश साहू, जितेंद्र साहू, आदर्श वर्मा, आंचल बघेल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

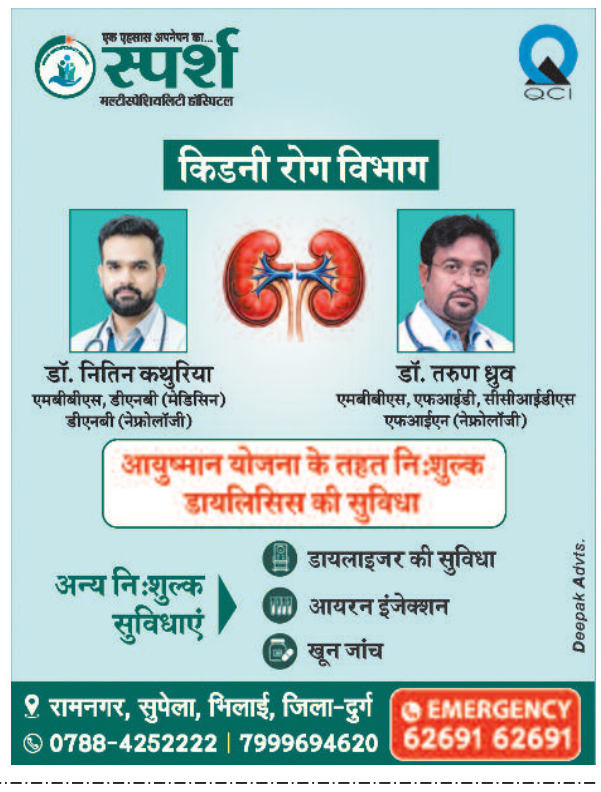

भू-जल सहेजने 3923 कार्यों को मंजूरी, 66663 श्रमिकों को मिलेगा रोजगार

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के अंतर्गत दुर्ग जिले की सभी 300 ग्राम पंचायतों में बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यों के माध्यम से जिले के 66 हजार 663 से अधिक ग्रामीण श्रमिकों को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। वर्तमान में जिले में 3923 निर्माण कार्य प्रगति पर हैं, जिनसे एक ओर ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुदृढ़ हो रही है, वहीं दूसरी ओर जल संरक्षण, भू-जल संवर्धन तथा ग्रामीण अधोसंरचना विकास को भी नई दिशा मिल रही है।

कलेक्टर अभिजीत सिंह के मार्गदर्शन एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे के निर्देशन पर जिले में 1 जुलाई से विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारी पूर्ण कर ली गई है। साथ ही आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए सभी मिट्टी मूलक निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

सभी ग्राम पंचायतों में जॉब कार्डधारी श्रमिकों को निरंतर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, कार्यक्रम अधिकारियों एवं मैदानी अमले को श्रमिकों की मांग के अनुरूप तत्काल कार्य उपलब्ध कराने तथा नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

600 दिव्यांग परिवारों को भी मिला रोजगार

मनरेगा के तहत जिले में अब तक 21 लाख 45 हजार 386 मानव दिवस सृजित किए जा चुके हैं। इसके साथ ही 2093 परिवारों को 100 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराया गया है तथा 600 दिव्यांग परिवारों को भी रोजगार से जोड़ा गया है। यह उपलब्धि ग्रामीण परिवारों की आर्थिक सुरक्षा एवं सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है। जनपद पंचायत वार स्थिति पर नजर डालें तो जनपद पंचायत दुर्ग अंतर्गत 1048 कार्यों में 16 हजार 806 श्रमिक कार्यरत हैं। इसी प्रकार जनपद पंचायत धमधा अंतर्गत 1687 कार्यों में 22 हजार 963 श्रमिक तथा जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत 1188 कार्यों में 26 हजार 865 श्रमिक रोजगार प्राप्त कर रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में वर्तमान में अमृत सरोवर निर्माण, नवीन तालाब निर्माण, तालाब गहरीकरण, आजीविका डबरी निर्माण, वाटर हार्वेस्टिंग टैंक (डब्ल्यूएचटी), कच्ची सिंचाई नाली निर्माण सहित अन्य श्रममूलक कार्य प्राथमिकता के साथ संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यों से जल संरक्षण को बढ़ावा मिलने के साथ कृषि उत्पादन क्षमता में वृद्धि तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण भी हो रहा है।

मनरेगा के अंतर्गत शासन से मिली मंजूरी

श्रमिकों को किया गया भुगतान

जिले में मनरेगा के तहत कुल 36 करोड़ 29 लाख 70 हजार रुपये की मजदूरी राशि का भुगतान किया जा चुका है। इसमें जनपद पंचायत दुर्ग के श्रमिकों को 11 करोड़ 43 लाख 73 हजार रुपये, जनपद पंचायत धमधा के श्रमिकों को 12 करोड़ 14 लाख 07 हजार रुपये तथा जनपद पंचायत पाटन के श्रमिकों को 9 करोड़ 47 लाख 88 हजार रुपये की राशि उनके बैंक खातों में जमा कराई गई है। इसके अतिरिक्त अन्य क्रियान्वयन एजेंसियों के माध्यम से 2 करोड़ 56 लाख 43 हजार रुपये की मजदूरी राशि का भी भुगतान किया गया है।

जिले में 249 नए निर्माण कार्यों के लिए मिली स्वीकृति

मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग बजरंग कुमार दुबे ने बताया कि वर्ष 2026-27 में जिले में बड़े पैमाने पर श्रममूलक निर्माण कार्य स्वीकृत किए गए हैं। जनपद पंचायत दुर्ग में 183 निर्माण कार्यों के लिए 1480.18 लाख रुपये, जनपद पंचायत धमधा में 149 निर्माण कार्यों के लिए 1212.84 लाख रुपये तथा जनपद पंचायत पाटन में 249 निर्माण कार्यों के लिए 1984.63 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस प्रकार जिले में कुल 581 निर्माण कार्यों के लिए 4677.65 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। जिले में संचालित निर्माण कार्यों से आने वाले वर्षों में किसानों, श्रमिकों और ग्रामीण समुदायों को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होगा तथा आत्मनिर्भर ग्रामीण विकास को नई मजबूती मिलेगी।

खबर संक्षेप

किसानों को निर्धारित दर पर उपलब्ध होंगे उर्वरक

दुर्ग। खरीफ सीजन 2026 को ध्यान में रखते हुए किसानों को समय पर गुणवत्ता युक्त उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा विभिन्न रासायनिक उर्वरकों की कृषक विक्रय दर निर्धारित की गई है। निर्धारित दरों के अनुसार जिले में यूरिया, डीएपी, एनपीके, एमओपी, एसएसपी, जिंकटेड सहित नैनो यूरिया एवं नैनो डीएपी उर्वरकों का विक्रय किया जा रहा है। उपसंचालक कृषि संदीप भोई ने बताया कि यूरिया उर्वरक का कृषक विक्रय दर 266.50 रुपये प्रति बोरी निर्धारित की गई है। वहीं डीएपी उर्वरक की दर कंपनी के अनुसार 1350 रुपए प्रति बोरी तक निर्धारित है। एनपीके उर्वरकों में 12:32:16 का मूल्य 1990 रुपए, 20:20:0:13 का मूल्य 1850 रुपए एवं 12:26:26 की दर 1990 रुपए निर्धारित की गई हैं। इसी प्रकार एमओपी (पोटाश) की दर 1975 रुपए प्रति बोरी रहेगी। एसएसपी पावडर, 551 एसएसपी दानेदार 591 रुपए, जिंकटेड एसएसपी पावडर 576 रुपए एवं टीएसपी 1300 रुपए दर तय की गई हैं, जिससे किसानों को बाजार में निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध हो सके। इसके अतिरिक्त आधुनिक कृषि को बढ़ावा देने के लिए इफको नैनो यूरिया 225 रुपये तथा इफको नैनो डीएपी 600 रुपये की दर से उपलब्ध कराया जाएगा। उर्वरक भण्डारण-वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता की स्थिति में उर्वरक निरीक्षक उर्वरक कार्रवाई करेंगे।

6.72 करोड़ की लागत से सड़क चौड़ीकरण के लिए 184 से ज्यादा पेड़ों को काटा जा रहा

एक काटने पर 10 पेड़ लगाने का नियम, लेकिन कहां लगेंगे दुर्ग निगम में नहीं हो पाया तय

चौड़ीकरण के नाम पर काटे जा रहे 184 हरे-भरे पेड़

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

धमधा नाका से कातुलबोड़ और जुनवानी को जोड़ने के लिए सड़क चौड़ीकरण और रिनोवेशन का काम तो शुरू कर दिया गया है, लेकिन इस दौरान सड़क पर दोनों तरफ हरियाली बिखरने वाले प्राकृतिक रूप से उगे हरे-भरे पेड़ को काटा जा रहा है। निगम, राजस्व और वन विभाग के मुताबिक सब कुछ नियमों के अनुरूप किया जा रहा है। संयुक्त टीम पेड़ को काटकर वन विभाग के डिपो में पहुंचा रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अब भी पिछले तीन दिनों में काटे गए पेड़ों और टहनियों में अधिकांश सड़क किनारे ही पड़े हुए हैं। इतना ही नहीं वन संरक्षण अधिनियम के मुताबिक जिन पेड़ों को काटा जा रहा है, उसमें एक पेड़ कटने के बदले 10 पेड़ लगाने का नियम है। वर्तमान में नए पेड़-पौधे कहां लगेंगे, इसे अब तक स्पष्ट नहीं किया गया है, न ही जिम्मेदारों के पास सही जानकारी है। न ही जानकारी सार्वजनिक की गई है। इस वजह से शहर के पर्यावरण प्रेमियों में खासी नाराजगी है। उन्होंने निगम और वन विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि जब इतनी बड़ी संख्या में पेड़ों को काटा जा रहा है, तो पहले से वैकल्पिक इंतजाम तय करने चाहिए। जानकारी सार्वजनिक भी करनी चाहिए, ताकि लोगों को यह पता चल सके कि नए पेड़-पौधे लगाए जाएंगे।

वन संरक्षण अधिनियमों की अनदेखी की आशंका, क्योंकि जगह को लेकर संशय

हरे-भरे पेड़ों की कटाई को लेकर बनाए गए नए नियम

वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि छत्तीसगढ़ में पेड़ों की कटाई को आसान बना दिया गया है। इसके लिए सरकार ने कटाई के नियमों में बदलाव किया है। इसको पिछले दिनों राजपत्र में भी प्रकाशित किया जा चुका है। नये नियमों के तहत निजी या संस्थान के लिए नए रोपे गए पेड़ों को काटने के लिए सरकारी अनुमति की जरूरत नहीं होगी। इसकी केवल सूचना देनी होगी। लेकिन प्राकृतिक रूप से खुद उग आए पेड़ों को काटने से पहले एसडीएम ने अनुमति लेनी होगी। निर्धारित समय सीमा में यह अनुमति न मिली तो भू-स्वामी पेड़ कटाई के लिए स्वतंत्र हो जाएगा। नये नियमों के मुताबिक, प्राकृतिक रूप से उगे पेड़ों की कटाई की अनुमति के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को आवेदन देना होगा।

1 पेड़ कटने पर 10 पेड़ या पौधे लगाने होंगे, देखरेख भी जरूरी

नियमों के अनुसार प्राकृतिक रूप से उगे पेड़ों की कटाई के लिए एक मानक भी तय हुआ है। इसके मुताबिक एक कैलेंडर वर्ष में प्राकृतिक रूप से उगे पेड़ों में से अधिकतम चार पेड़ प्रति एकड़ काटे जा सकेंगे। कई एकड़ में फैले पेड़ों के बावजूद एक साल में अधिकतम 10 पेड़ों को काटे जाने की अनुमति दी जा सकती है। भू-स्वामी चाहे तो वन विभाग के जरिये भी इन पेड़ों की कटाई करा सकता है। लगाए गए पेड़ काटने की इस तरह देनी होगी सूचना नये नियमों के मुताबिक लगाए गए पेड़ों की कटाई के लिए एक तय प्रारूप में सूचना देनी होगी। कटाई से एक महीने पहले एसडीएम और वन परिक्षेत्राधिकारी को पेड़ की कटाई का कारण, प्रजाति और संख्या की जानकारी देनी होगी।

वन विभाग काटेगा तो डिपो ले जाएगा लकड़ी, खाते में आएगा पैसा

अगर भू-स्वामी अपनी जमीन पर लगे पेड़ों की कटाई वन विभाग से कराएगा तो विभाग इसकी लकड़ी डीपो तक पहुंचाएगा। यहां निर्धारित दर पर लकड़ी के मूल्य की गणना की जाएगी। अनुसूचित जनजाति वर्ग का भू-स्वामी हुआ तो छत्तीसगढ़ आदिम जनजातियों का संरक्षण (वृक्षों में हित) अधिनियम 1999 के प्रावधानों के तहत कुल मूल्य की 95% राशि उसके बैंक खाते में जमा कराएगा। शेष 5% राशि वन विभाग के निर्धारित खाते में जमा की जाएगी। इस राशि से प्रत्येक काटे गए पेड़ के एवज में पांच पौधे रोपे जाएंगे। भू-राजस्व संहिता प्रशासित क्षेत्रों में लकड़ी के कुल मूल्य का 90% भू-स्वामी के बैंक खाते में जाएगी। शेष 10% वन विभाग के खाते में जाएगी। इस रकम से विभाग काटे गये एक पेड़ के बदले 10 पेड़ लगाएगा।

कितने ही पक्षियों के आशियाने उजाड़े गए

पेड़ों की कटाई गलत है, उन्हें शिफ्ट करना चाहिए, जब हमारे पास यह तकनीक उपलब्ध है, तो हमने इस ओर क्यों विचार नहीं किया। आदित्य नगर में जिस बेदर्दी से पेड़ों को काटा गया है, उससे सैकड़ों पक्षियों के आशियाने उजड़ गए हैं। इसके लिए कौन जिम्मेदार है। इसके एवज में कहां पेड़-पौधे लगाए जाएंगे, इस बारे में भी जानकारी नहीं दी जा रही है।

-बृजकिशोर शर्मा, कादम्बरी नगर दुर्ग

सरकारी जमीन पर अतिक्रमण, कलेक्टर ने दिए जांच के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

न्यू आदर्श नगर महाराजा चौक से बोरसी रोड पर सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का मामला प्रकाश में आया है। इसे लेकर स्थानीय लोगों ने जनदर्शन में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जांच के निर्देश दिए हैं। आयुक्त सुमित अग्रवाल को जांच सौंपी गई है। शिकायत में कहा गया है कि एक होटल द्वारा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया जा रहा है। इससे मुख्य मार्ग बाधित हो रहा है। लोगों ने कहा कि कि होटल के सामने वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग और सड़क पर पानी डालने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। जांच कर कार्रवाई की मांग की गई। इधर समाजवादी पार्टी के शहर अध्यक्ष शेख रज्जाक ने अवैध प्लॉटिंग को लेकर शिकायत की है।

- आयुक्त सुमित अग्रवाल को सौंपी जांच की जिम्मेदारी

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशानुसार दुर्ग शहर के विकास के लिए बड़े से बड़े कदम उठाकर निरन्तर प्रयत्नशील है। मगर इस शहर को बदनाम करने की नीयत से कुछ भू-माफियाओं द्वारा शहर के बीचो-बीच अवैध प्लाट काटने का प्रयास किया जा रहा है। अवैध प्लाटिंग को रोकने के लिए सरकार द्वारा सराहनीय कदम उठाये गये हैं, जिससे अवैध कॉलोनी,अवैध निर्माण पर रोक लगाया जा सके। इन नियमों के विरूद्ध कुछ लोग खुद की जमीन को अवैध प्लॉटिंग करने वालों के नाम से एवं स्वयं भी अवैध प्लाटिंग का कार्य कर रहे हैं। सुभाष नगर, केलाबाड़ी में लगभग 5 एकड़ जमीन पर मुरम, मिट्टी डालकर खुलेआम शासन के नियमों को ताक में रखकर अवैध प्लाटिंग करने का प्रयास किया जा रहा है। जमीन को एक एकड़ या 2 एकड़ में बेचकर दलालों को संरक्षण देकर नई मस्जिद के आसपास 2 वर्ष के अंतराल में कई टुकड़ों में बेचे जा चुके हैं।

आंधी तूफान से रेलवे कॉलोनी में पेड़ गिरे, बिजली कर्मियों ने हटाया

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

भीषण आंधी तूफान आने से रेलवे कॉलोनी बीएमवाई चरोदा में भारी नुकसान हुआ है। करीब 50 से अधिक बड़े पेड़ गिरने से सड़कें बुरी तरह अवरुद्ध हो गया था आने जाने वालों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई रलवे क्वाटरे भी क्षतिग्रस्त हो गईं। बिजली के पोल भी झूक गए हादसा हो सकता था। लेकिन रेलवे मजदूर कांग्रेस की टीम में डी. विजय कुमार, शेषु बाबू, अनुचकु संतोष रेड्डी , सुधाकर के नेतृत्व डीआरएम को अवगत कराया गया। इस दौरान सीनियर डीई से समन्वय कर अन्य विभागों, जेसीबी, आईओडब्लू विभाग की मदद से रेलवे कालोनी में राहत कार्य शुरु किया गया। मजदूर कांग्रेस का अहम योगदान रहा है। धनंजय अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे और मजदूर कांग्रेस की पूरी टीम ने गिरे पेड पौधो को सड़कों से हटाकर आवागमन को बेहतर किया। बिजली के खंभों को सीधा करने में भी अपनी अहम भूमिका निभाई। 50 से अधिक गिरे हुए पेड़ों में से अधिकांश को अपडेट करने में सफलता हासिल हुई। रेलवे कर्मियों, अधिकारियों समेत विभागों के द्वारा लगातार काम कर व्यवस्था को बेहतर किय।

- 50 से अधिक पेड़ को हटाने में मिला सहयोग

जिला अस्पताल में अब हृदय रोग विभाग रूम नंबर 17 में होगा संचालित

दुर्ग। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आकाश बक्शी जिला चिकित्सालय में निःशुल्क सेवाएं प्रदान करेंगे। जिला चिकित्सालय दुर्ग में 500 बेड, मेडिसिन, त्वचा, नेत्र,कान, नाक, गला, शल्य क्रिया हड्डी, मातृत्व शिशु विभाग, डायलिसिस, आईसीयू, बर्न विभाग सहित 500 यूनिट की क्षमता के ब्लड बैंक स्थापित है। यहां अब हृदय रोग विभाग रूम नंबर 17 में संचालित होगी। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. आकाश बक्शी माह के प्रत्येक शुक्रवार को 10 बजे से 1 बजे तक निः शुल्क परीक्षण और मार्गदर्शन सेवाएं प्रदान करेंगे। शक्रवार 12 जून से इनकी सेवा प्रारंभ हुई है। अस्पताल में उनका स्वागत किया गया। इस दौरान सिविल सर्जन सह अधीक्षक डॉ.एके मिंज, जीवन दीप समिति के दिलीप ठाकुर, सतीश सुराना, छग के स्वास्थ्य विभाग के दुर्ग संभागीय अध्यक्ष अजय नायक, ओम सत्यम, शिक्षण एवं जन विकास समिति अध्यक्ष सीता राम ठाकुर उपस्थित थे।

ऑनलाइन बिक रहा नशे का सामान, खुर्सीपार कुम्हारी, सिकोलाभाठा में तस्कर सक्रिय

हरिभूमि न्यूज ⏭दुर्ग

जिले में नारकोटिक्स नियंत्रण अभियान को प्रभावी बनाने कलेक्टोरेट सभागार में जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर अभिजीत सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में जिले में मादक पदार्थों के रोकथाम, नशा मुक्ति केन्द्रों की व्यवस्थाओं तथा संबंधित विभागों द्वारा की जा रही कार्रवाइयों की समीक्षा की गई। बैठक में वरिष्ट पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल शामिल हुए।

- नारकोटिक्स नियंत्रण अभियान को लेकर जिला स्तरीय समिति की बैठक में दी जानकारी

पुलिस अधीक्षक ने अवगत कराया कि खुर्सीपार, कुम्हारी, सिकोलाभाठा एवं अन्य चिन्हित स्थानों पर नशीली पदार्थों के आदतन तस्करों पर विशेष नजर रखी जा रही है। साथ ही नारकोटिक्स एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्यवाहियां भी की जा रही है। तस्करों एवं सार्वजनिक स्थानों पर नशे का सेवन कर व्यवधान करने वालों की सूचना के लिए टोल फ्री नंबर 1933 जारी की गई है। सूचना देने वालों की जानकारी गोपनीय रखी जाएगी। एसएसपी ने ड्रग लाइसेंसी कंपनियों एवं ई-कामर्स कंपनियों द्वारा ड्रग की सप्लाई पर चिंता जाहिर करते हुए औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों को इस पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिए। औषधि प्रसाधन अधिकारी ने अवगत कराया कि उनकी टीम द्वारा सभी मेडिकल दुकानों की जांच की जा रही है। साथ ही बिक्री किए जा रही मेडिसिन्स की रिकार्ड रखने के निर्देश दिए गए है। वहीं नारकोटिक्स दवाइयों के रिकार्ड में गड़बड़ी मिलने पर मेडिकल दुकानों के खिलाफ कार्यवाही भी की गई है। शिक्षा विभाग द्वारा स्कूलों से संबंधित स्पोर्ट्स अफसर को खेल मैदान एवं परिसर के आस-पास मादक पदार्थों के बिक्री पर नजर रखने के निर्देश दिए गए है। बैठक में सीएसपी आरके तिवारी, डिप्टी कलेक्टर उत्तम ध्रुव एवं समाज कल्याण, उद्योग एवं व्यापार, आबकारी व शिक्षा विभाग के अधिकारीगण उपस्थित थे।

पीएम मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम को 10 साल पूरे

भिलाई-3 पीएचसी में हाई रिस्क गर्भवतियों की हुई जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭भिलाई

सुरक्षित मातृत्व और स्वस्थ शिशु के संकल्प को मजबूत करते हुए प्रधानमंत्री मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम पीएमएसएमए के 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई-3 में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, गोदभराई कार्यक्रम, परामर्श सत्र तथा वृक्षारोपण जैसे विविध आयोजन किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना तथा सुरक्षित प्रसव के प्रति जागरूक करना रहा।

- गर्भवती महिलाओं की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच

जिला मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम की नोडल अधिकारी डॉ. अर्चना चौहान और संस्था प्रभारी डॉ. शिखर अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान 37 हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की विशेष जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। वहीं 17 महिलाओं की निःशुल्क सोनोग्राफी कर रिपोर्ट प्रदान की गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित शिविर में 37 महिलाओं की विभिन्न लैब जांच भी निःशुल्क की गई। इनमें एचआईवी जांच, हीमोग्लोबिन परीक्षण, रक्त एवं मूत्र परीक्षण शामिल रहे। जांच के पश्चात सभी हितग्राहियों को रिपोर्ट उपलब्ध कराई गई तथा आवश्यकतानुसार उपचार एवं सलाह भी दी गई। बीईटीओ सैय्यद असलम ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृत्व स्वास्थ्य कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2016 में देशभर में की गई थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य सुरक्षित मातृत्व को बढ़ावा देना, मातृ मृत्यु दर में कमी लाना तथा नवजात एवं शिशु मृत्यु दर को नियंत्रित करना है। कार्यक्रम में डॉ. संध्या चक्रवर्ती, आरएमए प्रज्ञा कुशवाहा, बीईटीओ सैय्यद असलम, एलएचवी आर विश्वास, लैब टेक्नीशियन आलिया खातून, फार्मासिस्ट तृप्ति चंद्राकर, स्मिता बागड़े, सुप्रजा कार्यक्रम की डॉ. अर्पिता शर्मा, योग चिकित्सक और परामर्शदाता डॉ. आकांक्षा मिश्रा आदि उपस्थित थे।

सुरक्षित प्रसव की दी गई जानकारी

कार्यक्रम के अंतर्गत गर्भावस्था के दौरान उच्च जोखिम वाली महिलाओं की पहचान कर उन्हें समय पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। उन्होंने बताया कि शिविर में गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव के लिए निकटतम रेफरल यूनिट की जानकारी, अल्ट्रासाउंड सुविधा, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, परिवार नियोजन, आयरन एवं कैल्शियम की गोलियों के सेवन तथा टेटनस टॉक्साइड टीडी टीकाकरण के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही महिलाओं की व्यक्तिगत निगरानी और ट्रैकिंग की प्रक्रिया और परिवहन सहायता योजनाओं के बारे में भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित गोदभराई समारोह में गर्भवती महिलाओं के साथ उनके परिजनों और पतियों की भी सहभागिता सुनिश्चित की गई। इस दौरान होने वाले पिता को प्रसव के समय रक्तदाता की व्यवस्था, बर्थ प्लान तैयार करने, शासन की विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ लेने, बैंक खाते को आधार से लिंक कराने तथा प्रसव के लिए निःशुल्क 102 एम्बुलेंस सेवा का उपयोग करने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

अस्पताल परिसर में पौधारोपण

विशेष कार्यक्रम का एक अनूठा आकर्षण पौधरोपण अभियान भी रहा। गर्भवती महिलाओं के हाथों अस्पताल परिसर में पौधारोपण कराया गया। इसके माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए यह प्रेरणा दी गई कि जिस प्रकार एक पौधे को संरक्षण और देखभाल की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार गर्भ में पल रहे शिशु और मां के स्वास्थ्य की सुरक्षा भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. भुवनेश्वर कुमार कठौतिया ने कहा कि शासन द्वारा गर्भवती महिलाओं के लिए सभी स्वास्थ्य संस्थानों में आवश्यक जांच और उपचार की सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने सभी गर्भवती महिलाओं से प्रत्येक माह की 9 और 24 तारीख को स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर नियमित जांच कराने तथा शासन की योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने की अपील की।

पीएम मोदी के दीर्घायु जीवन की कामना, किया हनुमान चालीसा पाठ

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के बढ़ता भारत, बदलता भारत अभियान के तहत दुर्ग जिला भाजपा ने विशेष पूजा-अर्चना और मंगलकामना कार्यक्रम आयोजित किया। जिला भाजपा कार्यालय के पीछे स्थित हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य तथा राष्ट्र की निरंतर प्रगति और समृद्धि के लिए प्रार्थना की गई।

जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक के नेतृत्व में आयोजित कार्यक्रम में भगवान हनुमान की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस दौरान हनुमान चालीसा एवं आरती का पाठ कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ, दीर्घायु और यशस्वी जीवन की कामना की गई। साथ ही देश की उन्नति, समृद्धि और जनकल्याण के लिए भी प्रार्थना की गई। जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने पिछले 12 वर्षों में विकास, सुशासन, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित किया है। कार्यक्रम में जिला महामंत्री दिलीप साहू, विनोद अरोरा, जिला उपाध्यक्ष सरिता मिश्रा, राजीव पांडेय, शिव चंद्राकर, दिनेश देवांगन सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

बोड़ला महाविद्यालय की दो छात्राएं लेंगी गुजरात में भूजल प्रबंधन का प्रशिक्षण

बोड़ला। शासकीय स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय बोड़ला ने विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी एवं व्यावहारिक शिक्षा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। महाविद्यालय और समर्थ चैरिटेबल ट्रस्ट के बीच हुए एमओयू के तहत छात्रा अमीषा हठीले एवं पिंकी खुशाम का चयन सहगामी भूजल प्रबंधन आधारित एक वर्षीय विशेष पाठ्यक्रम के लिए हुआ है। दोनों छात्राएं अध्ययन एवं प्रशिक्षण के लिए क्रांतिगुरु, श्यामजी, कृष्ण वर्मा, कच्छ विश्वविद्यालय, भुज गुजरात जाएंगी, जहां उन्हें भूजल संवर्धन, जल प्रबंधन एवं सामुदायिक सशक्तिकरण का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह पाठ्यक्रम पूर्णतः आवासीय एवं प्रयोगात्मक होगा। महाविद्यालय के प्राचार्य उमेश कुमार पाठक ने इसे संस्थान के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि ऐसे प्रयास विद्यार्थियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर प्रदान करते हैं। वहीं समर्थ चैरिटेबल ट्रस्ट के एग्रोफॉरेस्ट्री एक्सपर्ट गुरप्रीत सिंह ने बताया कि प्रशिक्षण के दौरान छात्राओं को छात्रवृत्ति सहित आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस उपलब्धि पर महाविद्यालय परिवार ने दोनों छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

17 जून को वीर सावरकर भवन में होगा जिला स्तरीय रोजगार मेला, 2000 पदों पर होगी भर्ती

कवर्धा। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ऋचा मिश्रा के मार्गदर्शन में प्लेसमेंट एवं कैरियर गाइडेंस प्रकोष्ठ द्वारा विद्यार्थियों को जिला स्तरीय रोजगार मेले की जानकारी दी गई। इस दौरान प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. राकेश चंदेल ने विद्यार्थियों को अधिक से अधिक संख्या में रोजगार मेले में शामिल होने के लिए प्रेरित किया।
उन्होंने बताया कि जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केंद्र द्वारा 17 जून को वीर सावरकर भवन, कवर्धा में जिला स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। मेले में 20 से अधिक निजी कंपनियां भाग लेंगी तथा लगभग 2000 तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पदों पर भर्ती की जाएगी। डॉ. चंदेल ने बताया कि 8वीं से स्नातक एवं तकनीकी योग्यता प्राप्त अभ्यर्थी इसमें शामिल हो सकते हैं। चयनित युवाओं को 8 हजार से 25 हजार रुपये तक मासिक वेतन मिलेगा। उन्होंने विद्यार्थियों से रोजगार विभाग के पोर्टल पर पंजीयन कर आवश्यक दस्तावेजों के साथ मेले में उपस्थित होने की अपील की।ने प्रशासन से हस्तक्षेप कर निर्माण कार्य जल्द पूरा कराने की मांग की है।

समस्या: अवैध कब्जा से पहले बनानी होगी बेहतर कार्ययोजना

पुराना बस स्टैंड खाली, अब सदुपयोग की चुनौती, अवैध कब्जा धारी सक्रिय

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

शहर का बस स्टैंड नए हाईटेक बस स्टैंड में स्थानांतरित होने के बाद पुराना बस स्टैंड परिसर लगभग खाली हो गया है। कभी बसों और यात्रियों की चहल-पहल से भरा रहने वाला यह परिसर अब सुनसान नजर आने लगा है।

ऐसे में नगर पालिका के सामने सबसे बड़ी चुनौती इस महत्वपूर्ण स्थान के सदुपयोग की है। यदि समय रहते कोई ठोस कार्ययोजना नहीं बनाई गई तो यह परिसर धीरे-धीरे अवैध कब्जों की चपेट में आ सकता है। शहर के मध्य स्थित इस बड़े परिसर में बसों के लिए बने चबूतरे और पर्याप्त खुली जगह उपलब्ध है। स्थानीय लोगों का मानना है कि यहां अस्थायी या स्थायी बाजार विकसित कर शहर की कई समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

वर्तमान में शहर के प्रमुख मार्गों और चौक-चौराहों पर सड़क किनारे व्यवसाय करने वाले छोटे व्यापारियों को यहां व्यवस्थित रूप से स्थान दिया जा सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी सार्वजनिक स्थल के खाली होने के बाद यदि उसका नियोजित उपयोग तय नहीं किया जाता तो वहां धीरे-धीरे अस्थायी कब्जे शुरू हो जाते हैं, जो समय के साथ स्थायी रूप ले लेते हैं।

ऐसे में नगर पालिका को जल्द निर्णय लेकर इस परिसर को जनहित के उपयोग में लाने की दिशा में कदम उठाने की आवश्यकता है।

देरी हुई तो बढ़ सकती है कब्जे की समस्या

स्थानीय लोगों का कहना है कि खाली पड़ी सार्वजनिक जमीनों पर अक्सर पहले अस्थायी ठेले और गुमटियां लगती हैं, जो बाद में स्थायी कब्जे का रूप ले लेती हैं। एक बार कब्जा होने के बाद उसे हटाना प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। इसलिए समय रहते उपयोग की स्पष्ट योजना बनाना जरूरी माना जा रहा है।

सब्जी बाजार का बन सकता है नया केंद्र

पुराने बस स्टैंड परिसर में बने चबूतरों का उपयोग सब्जी बाजार के रूप में किया जा सकता है। गुरू तेगबहादुर चौक से लेकर भक्ता माता कर्मा चौक और लोहारा नाका क्षेत्र में सड़क किनारे बैठने वाले सब्जी व्यापारियों को यहां व्यवस्थित स्थान मिलने से सड़क पर लगने वाले जाम की समस्या भी कम हो सकती है।

फुटपाथी व्यापारियों को मिल सकती है स्थायी जगह

नगर के विभिन्न चौक-चौराहों पर जूते-चप्पल मरम्मत, खाद्य सामग्री और अन्य छोटे व्यवसाय करने वाले व्यापारियों को पुराने बस स्टैंड परिसर में स्थानांतरित किया जा सकता है। इससे उन्हें सुरक्षित और व्यवस्थित व्यापारिक वातावरण मिलेगा, वहीं शहर की सड़कों पर अतिक्रमण भी कम होगा।

अधूरा सड़क निर्माण, सीसी रोड व नाली नहीं बनने से ग्रामीण परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोलेगांव

विकासखंड पंडरिया अंतर्गत कोलेगांव-हथमुड़ी प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क का डामरीकरण कार्य लगभग दो माह पूर्व पूरा हो चुका है, लेकिन पेंड्रीकला एवं बसनी गांव की बस्ती के भीतर प्रस्तावित सीसी रोड और नाली निर्माण अब तक शुरू नहीं हो सका है।

इसके कारण ग्रामीणों एवं राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि मुख्य सड़क बनने के बाद भी बस्ती क्षेत्र में जगह-जगह गड्ढे और कच्चे हिस्से बने हुए हैं। नाली निर्माण नहीं होने से बरसात के दौरान जलभराव की आशंका बढ़ गई है। ऐसे में गांव के भीतर सड़क पर चलना जोखिम भरा बना हुआ है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि निर्माण स्थल पर कार्य प्रगति पर होने का बोर्ड तो लगा हुआ है, लेकिन लंबे समय से कोई ठोस काम नजर नहीं आ रहा है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि जब परियोजना की स्वीकृति और डामरीकरण कार्य पूरा हो चुका है, तो बस्ती क्षेत्र के सीसी रोड और नाली निर्माण में आखिर देरी क्यों हो रही है। लोगों का कहना है कि यदि बरसात से पहले निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ तो स्थिति और गंभीर हो सकती है तथा आवागमन प्रभावित होगा। वही ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा कर संबंधित एजेंसी को समय सीमा में कार्य पूरा करने के निर्देश दिए जाएं, ताकि लोगों को मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिल सके और बरसात के मौसम में परेशानी से बचा जा सके। बरसात से पहले पूरा हो निर्माण कार्य, ग्रामीणों का कहना है कि यदि सीसी रोड और नाली का निर्माण शीघ्र शुरू नहीं किया गया तो बारिश के दौरान कीचड़, जलभराव और आवागमन की समस्या बढ़ जाएगी। लोगों ने प्रशासन से हस्तक्षेप कर निर्माण कार्य जल्द पूरा कराने की मांग की है।

अच्छी बारिश की आस में टिकी जिले के किसानों की उम्मीदें

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरबसपुर

जिले के किसानों ने खरीफ सीजन की तैयारियां लगभग पूरी कर ली हैं। खेतों की जुताई और समतलीकरण का कार्य संपन्न हो चुका है। बीज, खाद, कृषि उपकरण और ट्रैक्टर भी तैयार हैं। अब किसानों को केवल मानसून की झमाझम बारिश का इंतजार है, जिसके साथ ही बोनी का कार्य शुरू हो जाएगा।
पिछले दिनों हुई बारिश ने किसानों को गर्मी से राहत देने के साथ खेती-किसानी के कार्यों में भी तेजी ला दी है। हालांकि प्रदेश में मानसून की आमद अभी कुछ दिन दूर मानी जा रही है। सामान्यतः 15 से 16 जून के आसपास मानसून छत्तीसगढ़ में प्रवेश करता है।

इस बीच मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है, जिससे किसानों की उम्मीदें और बढ़ गई हैं। जिले में खरीफ सीजन के दौरान धान, सोयाबीन, उड़द, अरहर, तिल समेत अन्य फसलों की बोनी की जाती है। इन फसलों के लिए किसान पूरी तरह तैयार हैं। अच्छी बारिश होते ही खेतों में बोनी का काम शुरू हो जाएगा।

मानसून पर टिकी उत्पादन की उम्मीद

किसानों का कहना है कि यदि इस वर्ष मानसून सामान्य या बेहतर रहा तो फसलों को पर्याप्त पानी मिलेगा और उत्पादन भी अच्छा होगा। वहीं, बारिश में कमी या देरी होने पर किसानों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ऐसे में पूरे जिले की निगाहें अब मानसून की दस्तक पर टिकी हुई हैं। सिंचाई सुविधाएं अभी भी सीमित जिले में दो प्रमुख बांध और कुछ मध्यम सिंचाई परियोजनाएं हैं, लेकिन इनसे सभी किसानों को पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। अधिकांश किसान वर्षा जल और ट्यूबवेल पर ही निर्भर रहते हैं। अच्छी बारिश होने पर ही भूजल स्तर बना रहता है और ट्यूबवेल किसानों की जरूरत पूरी कर पाते हैं। अन्यथा फसलों पर सूखे का खतरा मंडराने लगता है।

रैन शेडो क्षेत्र होने से बढ़ती है चुनौती

कबीरधाम जिला रैन शेडो क्षेत्र में आता है, जहां बारिश का वितरण समान नहीं रहता। कई बार एक गांव में मूसलाधार बारिश होती है, जबकि पास के दूसरे गांव में एक बूंद पानी तक नहीं गिरता। वर्षों से यह स्थिति किसानों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। इसके बावजूद किसान हर साल मौसम की अनिश्चितताओं के बीच खेती करते हैं।

धान और गन्ने की खेती पर निर्भरता

जिले में धान और गन्ना प्रमुख फसलें हैं। इन दोनों फसलों को अधिक पानी की आवश्यकता होती है। विशेषज्ञों के अनुसार इनकी खेती के लिए लगभग 120 सेंटीमीटर तक पानी की जरूरत पड़ती है। पर्याप्त बारिश नहीं होने पर किसान सिंचाई के लिए ट्यूबवेल का सहारा लेते हैं। लेकिन लगातार जल दोहन के कारण कई बोरवेल पर्याप्त पानी नहीं दे पाते और कुछ समय बाद सूखने की स्थिति में पहुंच जाते हैं।

एटीएम में फंसे 10 हजार पुलिस ने बैंक को लौटाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ स.लोहारा

थाना लोहारा पुलिस ने ईमानदारी का परिचय देते हुए एसबीआई एटीएम में फंसी 10 हजार रुपये की राशि सुरक्षित बैंक प्रबंधन को सौंप दी। रात्रि गश्त के दौरान ग्राम बिड़ोरा स्थित एसबीआई एटीएम के निरीक्षण में पुलिस टीम को मशीन में नकदी फंसी हुई मिली। प्रधान आरक्षक गोपाल राजपूत एवं सीएएफ आरक्षकों ने राशि को सुरक्षित अभिरक्षा में लेकर थाना में जमा कराया। बाद में बैंक अधिकारियों से संपर्क कर अगले दिन शाखा प्रबंधक स्नेहिल गोदेश्वर को पूरी राशि विधिवत सौंप दी गई। पुलिस की इस सराहनीय कार्यवाही पर बैंक प्रबंधन ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए टीम की ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा की।

मानकविहीन सामग्री के उपयोग पर ठेकेदार को नोटिस

घटिया निर्माण पर चला बुलडोजर

हरिभूमि न्यूज ⏭ पण्डरिया

नगर पालिका पंडरिया ने विकास कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए सख्त कदम उठाते हुए वार्ड क्रमांक 2 के सारथी पारा में निर्माणाधीन सीसी रोड के गुणवत्ताहीन हिस्से को जेसीबी से उखड़वा दिया।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि संबंधित ठेकेदार द्वारा निर्माण कार्य में उपयोग की जा रही सामग्री निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं थी, जिससे सड़क की गुणवत्ता प्रभावित हो रही थी। मामले की जानकारी मिलते ही मुख्य नगर पालिका अधिकारी के निर्देश पर उपअभियंता ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। जांच में गुणवत्ता संबंधी खामियां सामने आने पर तत्काल कार्रवाई करते हुए दोषपूर्ण हिस्से को हटाया गया।

साथ ही संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी कर भविष्य में केवल मानक अनुरूप एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण सामग्री का उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। नगर पालिका प्रशासन का कहना है कि शासन की राशि से होने वाले विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जा रही है और जहां भी गुणवत्ता में कमी पाई जाएगी, वहां तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

इस कार्रवाई के बाद निर्माण एजेंसियों और ठेकेदारों को स्पष्ट संदेश मिला है कि नगर पालिका क्षेत्र में अब गुणवत्ता से समझौता करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी। प्रशासन का उद्देश्य नागरिकों को टिकाऊ एवं गुणवत्तापूर्ण आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है, ताकि विकास कार्यों का लाभ लंबे समय तक आम जनता को मिल सके।

गुणवत्ता से समझौता नहीं : विधायक के निर्देश पर बढ़ी निगरानी

कुछ दिनों पूर्व क्षेत्रीय विधायक द्वारा नगर पालिका क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण कर अधिकारियों को गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए थे। उन्होंने स्पष्ट कहा था कि निर्माण कार्यों में लापरवाही बरतने वाले ठेकेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। सारथी पारा मंण हुई कार्रवाई को उसी सख्ती का परिणाम माना जा रहा है। नगर पालिका प्रशासन ने भी चेतावनी दी है कि भविष्य में मानकों की अनदेखी करने वालों को किसी प्रकार की राहत नहीं मिलेगी।

कुण्डा में अतिक्रमण हटाए गए

कुण्डा। ग्राम पंचायत कुण्डा में पुराने एवं जर्जर पंचायत भवन को हटाकर नए सर्वसुविधायुक्त पंचायत भवन के निर्माण की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए पंचायत द्वारा भवन के पीछे पंचायत भूमि पर हुए अतिक्रमण को हटाकर स्थल को साफ कराया गया। सरपंच हरेंद्र चंद्राकर ने बताया कि पंडरिया विधायक भावना बोहरा के प्रयासों से खनिज साधन विभाग के माध्यम से नवीन पंचायत भवन निर्माण के लिए 20 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है। पुराने भवन की स्थिति काफी जर्जर हो चुकी थी, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी हुई थी। वर्तमान में पंचायत का संचालन अस्थायी रूप से अन्य स्थान से किया जा रहा है। उपसरपंच मुमताज अहमद ने बताया कि नए पंचायत भवन में ग्रामीणों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

गौवंश तस्करी पर ...

पशुओं के परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद वाहन, भैंसों एवं चालक को थाना लाया गया तथा शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया।
पशु क्रूरता और कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज: प्राथमिक जांच में आरोपी द्वारा छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 की धारा 4, 6 एवं 10 तथा पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 11 का उल्लंघन पाया गया। इसके आधार पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने 4 नग भैंस, घटना में प्रयुक्त पिकअप वाहन तथा एक मोबाइल फोन जब्त किया। जब्त सामग्री में भैंसों की अनुमानित कीमत 40 हजार रुपये, पिकअप वाहन की कीमत लगभग 9 लाख रुपये तथा मोबाइल की कीमत 10 हजार रुपये आंकी गई है। कुल जब्ती का मूल्य लगभग 9 लाख 50 हजार रुपये बताया गया है। पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक सोनल ग्वाला, सहायक उपनिरीक्षक भानू प्रताप पटेल, प्रशिक्षु उपनिरीक्षक सूरज प्रकाश जांगड़े, आरक्षक शिव सेन, महेश जांगड़े सहित कोतवाली थाना स्टाफ एवं गौसेवकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जमीन के टुकड़े ने तोड़ा ...

भाई तोप सिंह हाल ही में लगभग 15 दिन पहले बेमेतरा शहर में रहने चला गया था, जबकि प्रदीप और जलेश्वर गांव में ही रह रहे थे। घटना के समय घर में दोनों भाइयों की मां मौजूद नहीं थीं। जब वह घर लौटीं तो बेटे को खून से लथपथ पड़ा देख उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। मां की चीख- पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बेटे की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में शोक और स्तब्धता का माहौल बना हुआ है। **दिनदहाड़े हत्या से गांव में फैली दहशत:** ग्रामीणों का कहना है कि जमीन विवाद को लेकर परिवार में लंबे समय से तनाव बना हुआ था, लेकिन किसी ने कल्पना भी नहीं की थी कि यह विवाद इतनी बड़ी वारदात में बदल जाएगा। दिनदहाड़े हुई हत्या की खबर फैलते ही गांव में लोगों की भारी भीड़ जुट गई। घटना ने ग्रामीणों को झकझोर कर रख दिया है।

पेज 9 के शेष

खबर संक्षेप

पीएम श्री सेजस कुम्हारी में समर कैंप शुरू

कुम्हारी। पीएम श्री सेजस कुम्हारी में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। समर कैंप में छात्र-छात्राओं की रुचि एवं प्रतिभा को निखारने के लिए विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। कैंप के अंतर्गत आर्ट एंड क्राफ्ट, म्यूजिक, डांस, स्पोर्ट्स एवं गेम्स, योग एवं मेडिटेशन, ड्रामा, कलर एक्टिविटी, फन लर्निंग एक्टिविटी, डिजिटल स्किल प्रशिक्षण तथा टैलेंट शो जैसी आकर्षक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को रचनात्मकता, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना विकसित करने का अवसर प्राप्त हो रहा है।

प्रथम पुण्यतिथि पर आकाश राव को श्रद्धा सुमन अर्पित

पाटन। कोंटा में नक्सलियों द्वारा किए गए आईईडी विस्फोट में शहीद हुए, 2013 बैच के वीर पुलिस अधिकारी एएसपी आकाश राव गिरिपुंजे की प्रथम पुण्यतिथि मनाई गई। पाटन के अनुविभागीय अधिकारी पुलिस ऑफिस में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पाटन एसडीओपी अनूप लकड़ा व जवानों और नागरिकों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर एसडीओपी अनूप लकड़ा, विभाग के कर्मचारी चंद्रभान बर्रे, उत्तम देशमुख,नीरज लिंबू व वरिष्ठ नागरिक रेखा देवांगन, पोषण कोसरे और मुकेश सेन सहित आमजन उपस्थित रहे। शहीद आकाश राव गिरिपुंजे पाटन में लंबे समय तक पदस्थ रहे वे पाटन एसडीओपी के रूप में कार्यरत थे चूंकि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार हुआ करता थी वहीं मुख्यमंत्री के विधान सभा क्षेत्र में उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी गई थी।

चिंगरी में सामुदायिक निकासी नाली का भूमिपूजन

दुर्ग। ग्राम पंचायत चिंगरी में महात्मा गांधी नरेगा योजना के तहत सामुदायिक जल निकासी नाली निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न हुआ। सरपंच पुष्पा वाघमारे ने पंचायत प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में पूजा-अर्चना कर कार्य का शुभारंभ किया। ग्राम पंचायत क्षेत्र में प्रत्येक वर्ष वर्षा ऋतु में मुख्य मार्गों पर जलभराव की स्थिति बनती थी। कीचड़ के कारण दैनिक गतिविधियां प्रभावित होती थीं। इस नाली निर्माण के पूर्ण होने से जल निकासी व्यवस्था मजबूत होगी और मार्गों पर स्वच्छता बनी रहेगी। इस अवसर पर पंच लोकेश्वरी साहू, सुरेन्द्र सिरमौर, रामेश्वरी देशमुख, आशा देशमुख, डॉ. नेमलाल साहू, शिक्षक कुलेश्वर भारद्वाज, सुनील वाघमारे, सुखनंदन साहू सहित ग्रामवासी उपस्थित थे।

कुम्हारी भाजपा मंडल ने किया हवन पूजन

कुम्हारी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूर्ण होने पर कुम्हारी भाजपा मंडल के कार्यकर्ताओं ने नगर के विशाल दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में हनुमान चालीसा का पाठ किया। कार्यकर्ताओं ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का 12 वर्ष का कार्यकाल बेमिसाल रहा उनके कार्यकाल में देश ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इस पूजा में मुख्य रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिन्हा , महामंत्री दीपक चतुर्वेदी, उपाध्यक्ष फिंगेश्वर साहू, मीना वर्मा अध्यक्ष नगर पालिका परिषद कुम्हारी, विरेंद्र सिंह, अश्विनी देशलहरे पार्षद, उमाकांत साहू पार्षद, ओमकार मार्कण्डेय पार्षद, दिलेश्वर मार्कण्डेय, सुमित द्विवेदी, शुभम पांडेय, अनुराग अमेरिया, बाबी श्रीवास्तव, जितेन्द्र, राजू साहू, राजकुमार सिंह, रागनी निषाद पूर्व पार्षद , जूली सिंह महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष आदि उपस्थित थे।

प्रार्थना से विकसित होती है देश भक्ति की भावना

जामगांव आर। ग्राम पंचायत बटरेल शासकीय माध्यमिक शाला में 10 लाख की लागत से निर्मित होने वाले प्रार्थना शेड निर्माण का भूमिपूजन कल्पना नारद साहू सभापति जिला पंचायत दुर्ग ने डॉ दयाराम साहू पूर्व विधायक, अजय कुमार साहू जनपद सदस्य पाटन और कमलेश साहू मंडल अध्यक्ष भाजपा जामगांव आर की उपस्थिति में किया।

सीएमएचओ ने समीक्षा बैठक में दिए सख्त निर्देश, डेटा प्रबंधन और राष्ट्रीय कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने और मातृ-शिशु मृत्यु दर घटाने पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. अमृत लाल रोहलेडर की अध्यक्षता में शुक्रवार को सीएमएचओ कार्यालय सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ), ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर (बीपीएम), सेक्टर मेडिकल ऑफिसर सहित विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों से जुड़े अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, वित्तीय प्रबंधन, ऑनलाइन मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली तथा विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। सीएमएचओ डॉ. रोहलेडर ने अधिकारियों को वित्तीय अनुशासन बनाए रखने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी प्रकार के व्यय की बुकिंग निर्धारित नियमों के अनुसार की जाए तथा लंबित उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) एवं व्यय प्रमाण पत्र (सीसी) समय पर प्रस्तुत किए जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वित्तीय अनियमितता की स्थिति में संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में ऑनलाइन मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली को अद्यतन रखने पर विशेष जोर दिया गया। सीएमएचओ ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जानकारी पोर्टल पर शत-प्रतिशत अपडेट करने तथा रिक्त पदों, पदस्थापना, स्थानांतरण और ज्वाइनिंग संबंधी जानकारी तीन दिवस के भीतर दर्ज करने के निर्देश दिए।

हाई रिस्क गर्भवतियों की निगरानी और संस्थागत प्रसव पर विशेष फोकस: मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान डॉ. रोहलेडर ने गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी (एचआरपी) की समय पर पहचान एवं सतत फॉलोअप सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जननी पोर्टल पर सभी गर्भवती महिलाओं का पंजीयन, चार अनिवार्य एएनसी जांच तथा प्रसव संबंधी जानकारी रियल टाइम में दर्ज की जाए। उन्होंने संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और जिले में शून्य होम डिलीवरी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए स्वास्थ्य अमले को सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए।

टीकाकरण कार्यक्रम की हुई समीक्षा

नियमित टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को सभी बच्चों का यू - वी आई एन पोर्टल पर पंजीयन सुनिश्चित करने तथा टीकाकरण की जानकारी उसी दिन ऑनलाइन दर्ज करने के निर्देश दिए गए। साथ ही शून्य डोज एवं ड्रॉपआउट बच्चों की पहचान कर विशेष सत्रों के माध्यम से उन्हें टीकाकरण के दायरे में लाने को कहा गया।

मातृ एवं शिशु मृत्यु के प्रत्येक प्रकरण की होगी समीक्षा

बैठक में मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) एवं शिशु मृत्यु दर (आईएमआर) में कमी लाने के लिए प्रत्येक मृत्यु प्रकरण की समयबद्ध समीक्षा, कारणों का विश्लेषण और गैप एनालिसिस रिपोर्ट तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा एसएनसीयू, एनबीएसयू और एचडीयू इकाइयों की प्रभावी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान सीएमएचओ ने 15 जून से शुरू होने वाले सघन कुष्ठ खोज अभियान (एलसीडीसी) की माइक्रोप्लानिंग शीघ्र पूर्ण करने तथा फील्ड टीमों को प्रशिक्षित करने के निर्देश दिए। वहीं टीबी मुक्त पंचायत अभियान में तेजी लाने, टीबी नोटिफिकेशन दर 90 प्रतिशत से अधिक बनाए रखने और पात्र मरीजों को निक्षय पोषण योजना का लाभ सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। बैठक में जिला कार्यक्रम प्रबंधक, जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला टीकाकरण अधिकारी, जिला कुष्ठ अधिकारी, जिला क्षय अधिकारी सहित जिले के सभी विकासखंडों के बीएमओ, बीपीएम एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

रवानी बने सिटी प्रेस क्लब बेमेतरा के अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

सिटी प्रेस क्लब बेमेतरा के अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में हरिभूमि पत्रकार अमीन पप्पू रवानी ने शानदार जीत दर्ज करते हुए क्लब की कमान संभाल ली है। स्थानीय विश्राम गृह में लोकतांत्रिक एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए चुनाव में पत्रकारों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

नामांकन वापसी की अंतिम प्रक्रिया में अनिल त्रिपाठी और आनंद साहू ने अपने नाम वापस ले लिए, जिसके बाद वरिष्ठ पत्रकार किशोर तिवारी और अमीन पप्पू रवानी के बीच रह गया। दोनों प्रत्याशियों के बीच हुए चुनाव को लेकर पत्रकारों में उत्सुकता बनी रही। मतगणना में अमीन पप्पू रवानी को 11 मत प्राप्त हुए, जिसके साथ उन्होंने अध्यक्ष पद पर विजय हासिल कर ली। नई कार्यकारिणी की घोषणा की। वहीं अमीन पप्पू रवानी ने कहा कि यह जीत किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि सिटी प्रेस क्लब की एकता, लोकतांत्रिक परंपरा और पत्रकार समाज के विश्वास की जीत है। नई टीम में आनंद साहू को उपाध्यक्ष, योगेश राजपूत को सचिव, आशीष कांटले को कोषाध्यक्ष तथा ताम्रध्वज साहू को सहसचिव नियुक्त किया गया। वहीं ममता सहित अन्य पत्रकारों को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। चुनाव के दौरान वरिष्ठ पत्रकार दिनेश दत्त दुबे, मैडी धीवर, अमित, खिलेश कुमार, अरुण सोनी, अनीश मेमन, सतीश नामदेव सहित बड़ी संख्या में सिटी प्रेस क्लब के सदस्य उपस्थित रहे।

हसदा में श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ में शामिल हुए योगेश

भागवत कथा मानवता और संस्कारों की पाठशाला : योगेश तिवारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेरला

विकासखंड बेरला के ग्राम हसदा में आयोजित श्रीमद्भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ में भाजपा किसान नेता एवं सर्व हिंदू सनातन संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश तिवारी ने शामिल होकर श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण किया। उन्होंने पूज्य दण्डी स्वामी श्रीमज्ज्योतिर्मयानंद सरस्वती जी महाराज के श्रीमुख से अमृतमयी कथा सुनकर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा आयोजन समिति एवं ग्रामवासियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

कथा स्थल पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, धर्मप्रेमियों एवं क्षेत्रवासियों की उपस्थिति रही। पूरे परिसर में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का वातावरण देखने को मिला। योगेश तिवारी ने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला आध्यात्मिक ज्ञान का महासागर है। यह कथा धर्म, भक्ति, सेवा, संस्कार, करुणा और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु के दौरान ग्राम हसदा में भागवत कथा का आयोजन भगवान की विशेष कृपा का प्रतीक है। ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में सकारात्मक वातावरण निर्मित होता है और लोगों में आध्यात्मिक चेतना का जागरण होता है। उन्होंने स्वयं को सौभाग्यशाली बताते हुए कहा कि उनका जन्म बेमेतरा की उस पुण्य भूमि में हुआ है, जहां समय-समय पर महान संतों एवं धर्माचार्यों का सान्निध्य प्राप्त होता रहा है। योगेश तिवारी ने कहा कि किसी भी समाज और क्षेत्र के विकास में संत-महात्माओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। संत समाज को धर्म और संस्कारों से जोड़ते हैं तथा मानवता की राह दिखाने का कार्य करते हैं। भगवान और भक्त के बीच यदि कोई सबसे महत्वपूर्ण सेतु है तो वह संत-महात्मा ही हैं। संतों के आशीर्वाद से समाज में शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना का संचार होता है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि सलधा धाम आज पूरे प्रदेश में श्रद्धा और आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र बनता जा रहा है। वहां निर्माणाधीन भव्य शिवधाम और सवा लाख शिवलिंग स्थापना का संकल्प ऐतिहासिक एवं अद्वितीय है। यह केवल मंदिर निर्माण का कार्य नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति और धार्मिक चेतना को सशक्त बनाने का अभियान है।

कार्यक्रम में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू, जनपद सदस्य रेखा पोषण सिन्हा, गुहाराम साहू, मदनलाल सिन्हा, होलुराम साहू, शत्रुघ्न पाल, महादेव सिंह, हरिराम साहू, गिरधर साहू, खिलावन वर्मा, डॉ. सोमनाथ साहू, देवलाल सिन्हा, जिला मानस संघ अध्यक्ष, माखन साहू, हरिहर वर्मा, कमलेश वर्मा, डॉ. बी.आर. साहू, सुरेंद्र देवदास, डमरूधर साहू, डॉ. शंभू साहू, रवि प्रकाश सिन्हा, मनोज सिन्हा, दुर्गेश वर्मा, यशवंत टंडन, प्रियांशु सिंह एवं सनत सिन्हा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पूरा वातावरण भक्ति और श्रद्धा से सराबोर रहा।

अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। अवैध शराब के साथ व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बोरी पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ग्राम बड़े टेमरी में पुलिस ने दबिश दी। जहां से सुरज बारले को पकड़ा गया। जिसके पास से 15 लीटर कच्ची महुआ शराब व नगदी जब्त किया गया। आरोपी के पास से प्लास्टिक जरीकेन में शराब मिला। शराब की कीम 6400 रुपए आंकी गई है।

शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देने पहुंचे सांसद विजय बघेल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| थानखम्हरिया

सांसद विजय बघेल एवं साजा विधायक ईश्वर साहू ने थानखम्हरिया पहुंचकर स्वर्गीय सुरेंद्र सिंघानिया को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी। सांसद विजय बघेल दोपहर लगभग 3 बजे स्वर्गीय सुरेंद्र सिंघानिया के निवास पहुंचे, जहां उन्होंने परिवारजनों से मुलाकात कर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। इस दौरान उन्होंने स्वर्गीय सुरेंद्र सिंघानिया के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके द्वारा समाज एवं परिवार के लिए किए गए उल्लेखनीय योगदान को स्मरण किया। सांसद बघेल ने स्वर्गीय सुरेंद्र सिंघानिया के भाई अनिल सिंघानिया, पुत्र संदीप सिंघानिया, पुत्री स्वाति पोद्दार, बहू अंजलि सिंघानिया एवं भतीजे अतुल सिंघानिया से मुलाकात कर उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने परिवार को इस दुःख की घड़ी में धैर्य एवं संबल बनाए रखने का संदेश देते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

ये रहे उपस्थित

इस दौरान पूर्व जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी, हर्षवर्धन तिवारी, जिला महामंत्री राजेश ठाकुर, सुरेश सिंघानिया, जिला पंचायत सभापति परमेश्वर वर्मा, परमेश्वर सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य गोविंद पटेल, पूर्व मंडल अध्यक्ष पुन्नी तोरण यादव, ज्वाला सिंह राजपूत, सोनू शर्मा, चंद्रशेखर राजपूत, आदर्श जोशी, नमिता सिन्हा, रेखा शर्मा, भार्गव पटेल, पारस योगी, हिमाचल चौबे, रमन साहू, गणेश पटेल, राहुल छाबड़ा सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित जनों ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दिवंगत के सामाजिक योगदान को याद किया तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

भाजपा ने तीनों विधानसभा क्षेत्रों के सोशल मीडिया प्रभारियों की नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बेमेतरा

भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को डिजिटल स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में बेमेतरा जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए सोशल मीडिया प्रभारियों की नियुक्ति की है। भाजपा छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष एवं संगठन महामंत्री तथा भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी मितुल कोठारी के निर्देश पर यह नियुक्तियां की गई हैं।भाजपा जिला प्रभारी हर्षिता पांडेय एवं भाजपा जिला अध्यक्ष अजय साहू की सहमति से भाजपा सोशल मीडिया जिला प्रभारी पंडित अंकुश तिवारी ने जिले की तीनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए नए प्रभारियों की घोषणा की। जारी नियुक्ति आदेश के अनुसार बेमेतरा विधानसभा के लिए जालम सिंह धिवर, नवागढ़ विधानसभा के लिए टाकेश्वर वर्मा तथा साजा विधानसभा के लिए प्रवल किशोर मिश्रा को सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। पार्टी ने बताया कि नवनियुक्त प्रभारियों को संबंधित विधानसभा क्षेत्रों में सोशल मीडिया गतिविधियों के संचालन, मंडल स्तर तक संगठन की डिजिटल उपस्थिति को सशक्त बनाने तथा मंडल पदा धिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर संगठनात्मक गतिविधियों के प्रचार-प्रसार की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही वे विभिन्न मंडलों की सोशल मीडिया गतिविधियों की निगरानी कर संगठन की योजनाओं और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

नियुक्ति से संगठन को मिलेगा बल : अंकुश तिवारी

भाजपा सोशल मीडिया जिला प्रभारी अंकुश तिवारी ने कहा कि पार्टी लगातार डिजिटल माध्यमों के जरिए जनता तक अपनी बात पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि तीनों विधानसभा क्षेत्रों में नए प्रभारियों की नियुक्ति से सोशल मीडिया तंत्र और अधिक प्रभावी होगा तथा संगठन की गतिविधियों को गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति भाजपा के संगठनात्मक विस्तार और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

शराब पीने रकम नहीं मिलने पर किया प्राणघातक हमला, गिरफ्तार

भिलाई। शराब पीने के लिए रकम नहीं देने पर प्राणघातक हमला करने वाले युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। वैशाली नगर पुलिस ने बताया कि लोकेश सोनी ने शिकायत किया है कि बीसीजी स्कूल मैदान के पास अपनी पिकअप वाहन खड़ी कर कही गया था। तभी युवकों द्वारा उससे शराब पीने के लिए रकम का डिमांड करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने गाली-गलौज कर मारपीट कर धारदार हथियार से हमला कर मौके से फरार हो गए। हमले के दौरान पीड़ित के बाएं हाथ में चोट आई। बीच-बचाव करने पहुंचे गणेश सोनकर पर भी आरोपियों ने हमला कर घायल किया। पुलिस को जानकारी लगने पर आरोपियों की खोजबीन में जुटी रही।

पंडित प्रदीप मिश्रा के ऑनलाइन मार्गदर्शन में श्रद्धालुओं ने बनाए पार्थिव शिवलिंग, शाम को उमड़ी आस्था

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजा नवागढ़: पुरुषोत्तम मास की शिवरात्रि पर घर-घर हुआ महा रुद्राभिषेक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नवागढ़

पुरुषोत्तम मास की मासिक शिवरात्रि पर शनिवार शाम नवागढ़ नगर शिवभक्ति में डूबा नजर आया। कहीं मिट्टी से पार्थिव शिवलिंग बनाए गए तो कहीं वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान भोलेनाथ का महा रुद्राभिषेक हुआ। प्रसिद्ध कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा (सीहोर वाले) के ऑनलाइन मार्गदर्शन में आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने अपने-अपने घरों में पूजा-अर्चना कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। शाम ढलते ही नगर के कई घरों में पूजा की तैयारियां शुरू हो गईं। श्रद्धालुओं ने पार्थिव शिवलिंग स्थापित कर जल, दुग्ध, बेलपत्र, पुष्प और अन्य पूजन सामग्रियों से अभिषेक किया। ॐ नमः शिवाय के मंत्रों और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। परिवार के सभी सदस्य एक साथ पूजा में शामिल हुए और घर-परिवार की सुख-समृद्धि तथा मंगल की कामना की। नवागढ़ नगर प्रधान विकास धर दीवान ने अपनी धर्मपत्नी सुधा दीवान के साथ सहपरिवार श्रद्धापूर्वक भगवान शिव का पूजन एवं महा रुद्राभिषेक किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करते हैं, बल्कि परिवार और समाज को भी एक सूत्र में बांधने का कार्य करते हैं। **पुरुषोत्तम मास की शिवरात्रि का विशेष महत्व:** धार्मिक अनुष्ठान के दौरान पंडित श्रीकांत शर्मा ने श्रद्धालुओं को शिवरात्रि एवं पुरुषोत्तम मास के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मासिक शिवरात्रि हर महीने आती है, लेकिन पुरुषोत्तम मास में पड़ने वाली शिवरात्रि अत्यंत पुण्यदायी मानी जाती है। इस दिन पार्थिव शिवलिंग का पूजन और रुद्राभिषेक करने से भगवान शिव विशेष रूप से प्रसन्न होते हैं तथा जीवन में सुख, शांति और समृद्धि का वास होता है। उन्होंने कहा कि शास्त्रों में पार्थिव शिवलिंग पूजन को अत्यंत फलदायी बताया गया है। श्रद्धा और विश्वास के साथ की गई शिव आराधना व्यक्ति के जीवन में सकारात्मकता लाती है और मानसिक शांति प्रदान करती है।

घर-घर दिखी सनातन परंपरा की झलक

विशेष बात यह रही कि पूजा-अर्चना केवल मंदिरों तक सीमित नहीं रही, बल्कि घर-घर में शिवभक्ति की अलख जगी। महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने उत्साहपूर्वक अनुष्ठान में भाग लिया। कई परिवारों ने सामूहिक रूप से पूजा कर धार्मिक एकता और पारिवारिक संस्कारों का परिचय दिया। पुरुषोत्तम मास की इस विशेष शिवरात्रि ने नवागढ़ में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। शाम से लेकर देर रात तक नगर में शिव आराधना का माहौल बना रहा और श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ की भक्ति में लीन दिखाई दिए।